Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Bechlor of Performing Art (B.P.A.-I Year) P-B.P.A.

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching Period 36 Week = 216 Days (Total Credits 36X24=864)

Paper S. N.	Subject / Papers	Subject Code	Credits	WeeklyTeachingDuration/Hours	Total Teaching Duration/Hours	Mid Term/C.C.E. & Attendance Marking	EndTerm Marking	TotalMarks & Private	Minimum Passing Marks
Section-"A" Core- 1Drama & Theatre									
1.	I- General Study of Theatre	CI-TH-1101	3	3	108	15+05	80	100	33
2.	II- General Study of Acting & Theatre Technics	CI-TH-1102	3	3	108	15+05	80	100	33
Core-2 Technical Terms Practical									
Drama Theatre Technique									
3.	I- Yog/Acting/Improvisation/ Speech & Voice/ Theatre Music	C2-TH-1103	3	6	216	15+05	80	100	33
4.	II- Stage Performance / Play Prodoction- Seen Work	C2-TH-1104	3	6	216	15+05	80	100	33
Section-"B" Core- 1Drama & Theatre									
5.	**Section-"B" (Only Practical) Elective Open Subject** Skill Development- N.S.S./N.C.C./Physical Education /Yog/Meditation/Field work & social work with opposite subject to main subject. Indian Classical Vocal/Instrumental (Non Percussion)/Karnatak music/Classical/Dance/Tabla/Pakhawaj.	EO-TH-1101	3	6	216	15+05	80	100	33
Section-"C" Foundation Course									
6. 7. 8.	I- Moral Values & Hindi Language II- English Language III- Enterpurenership	F-HM- 101 F-EL- 102 F-EPD-103	3 3 3	3 3 3	108 108 108	15+05 15+05 15+05	80 80 80	100 100 100	33 33 33
Total Credits & Teaching Duration			**24**	**33**	**1188**				

H.O.D. (Incharge)

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Bechlor of Performing Art (B.P.A.-IInd Year) P-B.P.A.

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching Period 36 Week = 216 Days (Total Credits 36X24=864)

Paper S. N.	Subject / Papers	Subject Code	Credits	WeeklyTeachingDuration/Hours	Total Teaching Duration/Hours	Mid Term/C.C.E. & Attendance Marking	EndTerm Marking	TotalMarks & Private	Minimum Passing Marks
Section-"A" Core- 1Drama & Theatre									
1.	I- Indian Classical Drama	CI-TH-1201	3	3	108	15+05	80	100	33
2.	II- Indian Traditional Theatre	CI-TH-1202	3	3	108	15+05	80	100	33
Core-2 Technical Terms Practical									
Drama Theatre Technique									
3.	I- Demonstraion & Viva- Yog/Acting/ Improvisation/ Speech & Voice/ Theatre Music	C2-TH-1203	3	6	216	15+05	80	100	33
4.	II- Stage Performance / Play Prodoction- Seen Work	C2-TH-1204	3	6	216	15+05	80	100	33
Section-"B" Core- 1Drama & Theatre									
5.	**Section-"B" (Only Practical) Elective Open Subject** Skill Development- **Skill Development-N.S.S./N.C.C./ Physical Education /Yog/Meditation/Field work & social work with opposite subject to main subject.** Folk Music-Vocal & Dance/Western Music Guitar & I /Fine Art/Theater/Studio Recording Technique / Sound Operating/Instrument Repairing & Making.	EO-TH-1201	3	6	216	15+05	80	100	33
Section-"C" Foundation Course									
6. 7. 8.	I- Moral Values & Hindi Language II- English Language III- Enterpurenership	F-HM- 201 F-EL- 202 F-EPD-203	3 3 3	3 3 3	108 108 108	15+05 15+05 15+05	80 80 80	100 100 100	33 33 33
Total Credits & Teaching Duration			**24**	**33**	**1188**				

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Bechlor of Performing Art (B.P.A.-IIIrd Year) P-B.P.A.

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching Period 36 Week = 216 Days (Total Credits 36X24=864)

Paper S. N.	Subject / Papers	Subject Code	Credits	WeeklyTeachingDuration/Hours	Total Teaching Duration/Hours	Mid Term/C.C.E. & Attendance Marking	EndTerm Marking	TotalMarks & Private	Minimum Passing Marks
Section-"A" Core- 1Drama & Theatre									
1.	I- Modern Indian Theatre	CI-TH-1301	3	3	108	15+05	80	100	33
2.	II- Theatre Of Madhya Pradesh	CI-TH-1302	3	3	108	15+05	80	100	33
Core-2 Technical Terms Practical									
Drama Theatre Technique									
3.	I- Demonstraion & Viva- Yog/Acting/ Improvisation/ Speech & Voice/ Theatre Music	C2-TH-1303	3	6	216	15+05	80	100	33
4.	II- Stage Performance / Play Prodoction- Seen Work	C2-TH-1304	3	6	216	15+05	80	100	33
Section-"B" Core- 1Drama & Theatre									
5.	**Section-"B" (Only Practical) Elective Open Subject** **Skill Development-N.S.S./N.C.C./Phy /Yog/Meditation/Field work & social opposite subject to main subject.** Semi Classical Vocal (Thumari/Dadra /chaiti/Kajari) /Tappa/Light Music /Film Music/Music Therapy . .	EO-TH-1301	3	6	216	15+05	80	100	33
Section-"C" Foundation Course									
6. 7. 8.	I- Moral Values & Hindi Language II- English Language III- Enterpurenership	F-HM- 301 F-EL- 302 F-EPD-303	3 3 3	3 3 3	108 108 108	15+05 15+05 15+05	80 80 80	100 100 100	33 33 33
Total Credits & Teaching Duration			**24**	**33**	**1188**				

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Bechlor of Performing Art (B.P.A.- IVth Year) P-B.P.A.

Drama & Theatre (Regular)

Total Teaching Period 36 Week = 216 Days (Total Credits 36X24=864)

Paper S. N.	Subject / Papers	Subject Code	Credits	WeeklyTeachingDuration/Hours	Total Teaching Duration/ Hours	Mid Term/C.C.E. & Attendance Marking	EndTerm Marking	TotalMarks & Private	Minimum Passing Marks
Section-"A" Core- 1Drama & Theatre									
1.	I- Western Theatre	CI-TH-1401	6	6	216	15+05	80	100	33
2.	II- Film & Theatre Study	CI-TH-1402	6	6	216	15+05	80	100	33
Core-2 Technical Terms Practical									
Drama Theatre Technique									
3.	I- Demonstraion & Viva- Yog/Acting/ Improvisation/ Speech & Voice/ Theatre Music	C2-TH-1403	4	8	288	15+05	80	100	33
4.	II- Stage Performance / Play Prodoction- Seen Work	C2-TH-1404	4	8	288	15+05	80	100	33
5.	III- Lecture Demonstration	C2-TH-1405	4	8	288	15+05	80	100	33
Total Credits & Teaching Duration			**24**	**36**	**1296**				

बी.पी.ए.– प्रथम वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रथम प्रश्न–पत्र

रंगमंच का सामान्य परिचय
(General Study of Theatre)

समय : 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई–1 (i) रंगमंच का परिचयात्मक अध्ययन।

(ii) भारतीय कला रूपों जैसेः– नृत्य, संगीत, साहित्य, चित्र, मूर्ति आदि का सामान्य परिचय

इकाई–2 (i) रंगमंचीय तत्वों जैसेः– सेट, लाइट, मेकअप, कास्ट्यूम आदि का सामान्य अध्ययन।

(ii) भारतीय कला रूपों का रंगमंच से अर्न्त सम्बंध।

इकाई–3 (i) रंगमंच की निर्माण प्रक्रिया का व्यवहारिक अध्ययन।

(ii) फिल्म निर्माण का सामान्य परिचय।

इकाई–4 (i) भारतीय नाट्य शैलियों जैसेः– संस्कृत नाट्य शैली, पारसी रंगमंच आदि का सामान्य अध्ययन।

(ii) भारतीय लोक नाट्य शैलियों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–5 (i) पश्चिमी नाट्य शैलियों जैसेः– कौमेदिया देलआर्ते, यथार्थवादी रंगशैली, पूअर थियेटर, एबसर्ड थियेटर, थियेटर ऑफ क्रूयलिटी का सामान्य परिचय।

(ii) भारतीय एवं पाश्चात्य नाटकों की संरचना की सामान्य जानकारी।

बी.पी.ए.– प्रथम वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

अभिनय एवं रंग तकनीक का परिचयात्मक अध्ययन

(General Study of Acting and Theatre Technics)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई–1 (i) अभिनय की परिभाषा एवं प्रक्रिया का व्यवहारिक ज्ञान।

(ii) भरत के चतुर्दिक अभिनय सिद्धांत का परिचयात्मक ज्ञान।

इकाई–2 (i) रंगमंच में निर्देशक की भूमिका व निर्देशन प्रक्रिया का अध्ययन

(ii) रंगमंच में विन्यासकर्ता की भूमिका व विन्यास प्रविधि का सामान्य परिचय।

इकाई–3 (i) लोकनाट्य शैलियों की संरचना का सामान्य अध्ययन।

(ii) सिने अभिनय में व्यवहारिक अध्ययन।

इकाई–4 (i) रंग संगीत का सामान्य परिचय।

(ii) रंगमंच में विशेष प्रभाव का अध्ययन (प्रकाश एवं रूपसज्जा के सन्दर्भ में)

अभिनय, आशु अभिनय, बॉडी मूवमेंट, वॉइस एण्ड स्पीच, डांस एवं मूवमेंट।

इकाई–5 (i) किसी भी एक भारतीय नाटक की समीक्षात्मक अध्ययन।

(ii) किसी भी एक पश्चिमी नाटक का समीक्षात्मक अध्ययन।

बी.पी.ए.– प्रथम वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

अभिनय एवं रंग तकनीक
(Acting & Theatre Technics)

प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demostrasion and viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

1. योग अभ्यास।
2. अभिनय एवं आशु अभिनय।
3. वॉयस और स्पीच।
4. रंग संगीत।
5. सेट, लाईट डिजायन।
6. मास्क मेंकिग।
7. मेकअप।

बी.पी.ए.– प्रथम वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

मंच प्रदर्शन
(Stage performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

इस प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में सीन वर्क/नाट्य प्रस्तुति किया जाना है।

बी.पी.ए.– द्वितीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रथम प्रश्न–पत्र

भारतीय शास्त्रीय नाटक
(Indian Calssical Drama)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई–1 (i) नाट्यशास्त्र का परिचयात्मक अध्ययन।

(ii) नाट्यशास्त्र की उत्पत्ति सम्बंधी मतों व उसकी परम्परा का अध्ययन।

इकाई–2 (i) नाट्यशास्त्र के 36 अध्यायों में वर्णित विषय वस्तु का अध्ययन।

(ii) नाट्यशास्त्र के टीका, व्याख्या, भाष्य ग्रन्थों का अध्ययन जैसेः– अभिनय दर्पण, दशरूपक इत्यादि।

इकाई–3 (i) रस निष्पत्ति सूत्र की व्याख्या का अध्ययन।

(ii) भाव की परिभाषा व उनके प्रकारों का अध्ययन।

इकाई–4 (i) नाट्यशास्त्र में वर्णित प्रेक्षागृह का वास्तुकलात्मक अध्ययन।

(ii) चतुर्दिक अभिनय के अंग–उपांगों का अध्ययन।

इकाई–5 (i) प्रमुख संस्कृत नाटककारों का अध्ययन जैसेः– भास, कालिदास, अश्वघोष, शूद्रक, भवभूति इत्यादि।

(ii) संस्कृत नाटक का अध्ययन व विश्लेषण जैसेः– दूतचरितम्, मध्यमव्यायोग, अविमारक, अभिज्ञानशाकुंतलम्, मृच्छकटिकम्, भगवतअज्जूकीयम इत्यादि।

बी.पी.ए.– द्वितीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

पारंपरिक भारतीय लोक नाट्य
(Indian Traditional Theatre)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई– 1.
(I) लोक की परिभाषा। लोक साहित्य का अध्ययन व उसके प्रकारों का अध्ययन।
(II) लोक या पारंपरिक नाट्य की परिभाषा व उसका वर्गीकरण।

इकाई– 2.
(I) पारंपरिक लोक नाटयों की उत्पत्ति व उसका विकास।
(II) लोक नाट्य की परंपरा व उसकी विशेषताएँ।

इकाई– 3.
(I) प्रमुख लोक नाट्यों का अध्ययन– नौटंकी, रासलीला, रामलीला, माच, नाचा, एवं बिदेशिया।
(II) भांड–मिरासी, सांग, बुन्देली स्वांग, भवाई, तमाशा का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई– 4.
(I) दक्षिण भारतीय पारंपरिक लोक नाटकों का परिचयात्मक अध्ययन। कुड़ियाट्टम, तिरूकुट्टु, यक्षगान।
(II) छाऊ, जात्रा का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई– 5.
(I) प्रमुख लोक पारंपरिक नाटक एवं आधुनिक रंगमंच के अंर्तसम्बंध का अध्ययन।
(II) प्रमुख लोक नाटकों की समीक्षा एवं उसका विश्लेषण।

बी.पी.ए.– द्वितीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

अभिनय एवं रंग तकनीक
(Acting & Theatre Technics)

प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demostrasion and viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

1. योग अभ्यास।
2. बॉडी मूवमेन्ट।
3. एक्टिंग एण्ड इम्प्रोवाइजेशन।
4. वॉयस और स्पीच।
5. रंग संगीत।
6. प्रोजेक्ट वर्क– सेट, लाईट डिजायन।

बी.पी.ए.– द्वितीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

मंच प्रदर्शन
(Stage performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

इस प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में सीन वर्क/नाट्य प्रस्तुति किया जाना है।

बी.पी.ए.– तृतीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रथम प्रश्न–पत्र

भारतीय आधुनिक रंगमंच
(Modern Indian Theatre)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई– 1.(I) भारतीय आधुनिक नाटक का प्रारंभ एवं विकास।

(II) भारतीय रंगमंच में पारसी थियेटर का योगदान।

इकाई– 2.(I) बांग्ला रंगमंच का इतिहास एवं उसका विकास।

(II) मराठी रंगमंच का इतिहास एवं उसका विकास।

इकाई– 3.(I) भारतेन्दु युगीन नाटकों का सामान्य अध्ययन।

(II) जयशंकर प्रसाद के नाटक एवं उनके समकालीन नाटककार।

इकाई– 4.(I) आधुनिक भारतीय रंगमंच में स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन की भूमिका का अध्ययन।

(II) स्वतंत्रता पश्चात् भारतीय रंगमंच की दशा व दिशा का अध्ययन।

इकाई– 5.(I) प्रमुख भारतीय नाटककारों का समग्र रूप में योगदान मोहन राकेश, धर्मवोर भारती, विजय तेंदुलकर, गिरीश कर्नाड एवं बादल सरकार।

(II) प्रमख भारतीय प्रतिनिधि निर्देशकों का समग्र रूप में योगदान । इब्राहिम अल्काजी, हबीब तनवीर, ब.व. कारंत, के.एन. पणीकर, बंशी कौल, देवेन्द्र राज अंकुर।

बी.पी.ए.– तृतीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश का रंगमंच
(Theatre Of Madhya Pradesh)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई– 1. मध्यप्रदेश के रंगमंच का स्वरूप व विकास का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई– 2. (I) मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि नाटककारों का नाम व उनके नाटकों का अध्ययन।
शंकर शेष, हबीब तनवीर, नाग बोडस, राजेश जोशी।

(II) मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि नाट्य निर्देशकों का सामान्य परिचय।
हबीब तनवीर, बंशी कौल, स्व. अलखनंदन, अरूण पाण्डेय, स्व. डॉ. कमल वशिष्ठ।

इकाई– 3. (I) मध्यप्रदेश के रंग संस्थाओं व उनक द्वारा किये गये कार्यो का अध्ययन।
लिटिल बैले ग्रुप, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, आर्टिस्ट कम्बाईन, रंग विदूषक, नया थियेटर, विवेचना।

(II) मध्यप्रदेश के रंगमंच के विकास में भारत भवन के योगदान का अध्ययन।

इकाई– 4. (I) लोक शैली पर आधारित मध्यप्रदेश के रंगमंच का अध्ययन।

(II) मध्यप्रदेश के प्रमुख रंग महोत्सव एवं उनका योगदान।

इकाई– 5. (I) मध्यप्रदेश के अभिनेताओं का परियच।
गोविंद नामदेव, पीयूष मिश्रा, आशुतोष राणा, मुकेश तिवारी, स्वानंद किरकिरे

बी.पी.ए.– तृतीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demostrasion and viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

1. मार्शल आर्ट।
2. एक्टिंग एण्ड इम्प्रोवाइजेशन।
3. वॉयस और स्पीच।
4. मास्क मेकिंग।
5. रेडियो नाटक की समझ।
6. प्रोजेक्ट वर्क– कॉस्ट्यूम एण्ड मेकअप।

बी.पी.ए.– तृतीय वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

मंच प्रदर्शन
(Stage performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

इस प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में सीन वर्क/नाट्य प्रस्तुति किया जाना है।

बी.पी.ए.– चतुर्थ वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रथम प्रश्न–पत्र

पाश्चात्य रंगमंच
(Western Theatre)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1.(I) नाट्य उत्पत्ति की पाश्चात्य अवधारणा का अध्ययन।

(II) अरस्तु के काव्यशास्त्र एवं उनके सिद्धांत का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई– 2. (I) ग्रीक रंगमंच का इतिहास, रंगमण्डप एवं उसके प्रमुख नाटककार।

(II) रोमन रंगमंच का इतिहास, रंगमण्डप एवं उसका विकास।

इकाई– 3. (I) मध्यकालीन रंगमंच के इतिहास का अध्ययन।

(II) एलिजाबेथन रंगमंच के इतिहास का अध्ययन, शेक्सपियर एवं उनके समकालीन नाटककार।

इकाई– 4. (I) आधुनिक पाश्चात्य नाटक का प्रारंभ एवं उसके विकास का अध्ययन।

(II) प्रमुख नाटककारों (आधुनिक) के व्यक्तित्व व कृतित्व का अध्ययन। इब्सन, चेखव एवं ब्रेख्त।

इकाई– 5. (I) प्रमुख पाश्चात्य निर्देशकों का अध्ययन।

(II) प्रमुख पाश्चात्य नाटकों के पाठ एवं उसका विश्लेषण। इडियस, कंजूस, हेमलेट, गुड़िया घर, थ्री सिस्टर, हिम्मत माई।

बी.पी.ए.– चतुर्थ वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

फिल्म एवं रंगमंच का अध्ययन
(Film & Theatre Study)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई– 1. (I) फिल्म का इतिहास एवं उसका विकास।

(II) भारतीय फिल्म का इतिहास एवं उसका विकास।

इकाई– 2. (I) फिल्म निर्माण की प्रक्रिया का अध्ययन।

(II) रंगमंच की प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन।

इकाई– 3. (I) रंगमंच और फिल्म में प्रमुख अंतर।

(II) रंगमंच व फिल्म में समानता एवं उसका अंर्तसम्बंध।

इकाई– 4. (I) भारतीय फिल्म में रंगमंच की उपयोगिता का अध्ययन।

(II) व्यवसायिक फिल्म, कला फिल्म, लघु फिल्म, समान्तर फिल्म, डॉक्यूमेन्ट्री फिल्मों का अध्ययन।

इकाई– 5. (I) समसामयिक फिल्मों व रंगमंच का समाज पर प्रभाव व उसका विश्लेषणात्मक अध्ययन।

(II) प्रमुख भारतीय फिल्मकारों (निर्देशकों) का अध्ययन एवं फिल्म समीक्षा– सत्यजीत रे, गुरूदत्त, मणि कौल, श्याम बेनेगल, अर्पणा सेन, मीरा नायर, दीपा मेहता, गोविंद निहलानी, केतन मेहता, विशाल भारद्वाज, अनुराग कश्यप,

बी.पी.ए.– चतुर्थ वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demostrasion and viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

1. एक्टिंग एण्ड इम्प्रोवाइजेशन।
2. वॉयस और स्पीच।
3. एक्टिंग इन फ्रन्ट ऑफ कैमरा
4. फिल्म मेकिंग
5. प्रोजेक्ट वर्क– थियेटर आर्किटेक्चर।

बी.पी.ए.– चतुर्थ वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

मंच प्रदर्शन
(Stage performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

इस प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा कक्षा शिक्षक अथवा बाह्य निर्देशक के मार्गदर्शन में सीन वर्क/नाट्य प्रस्तुति किया जाना है।

बी.पी.ए.– चतुर्थ वर्ष (नाट्य एवं रंगमंच)

प्रायोगिक

प्रदर्शनात्मक व्याख्यान
(Lecture Demonstrations)

अंक योजना			
मिड टर्म	उपस्थिति	एण्ड टर्म	कुल अंक
15	05	80	100

प्रायोगिकः–

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमॉन्सट्रशन के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से संबंधित किसी भी शीर्षक जैसे– मास्क मेंकिग, मेकअप आदि पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन भी करेगा (यह प्रदर्शन पी.पी.टी. के साथ भी किया जा सकता है।) जिससे विद्यार्थी का कौशल विकास और भविष्य में शोध आदि कार्य करने में यह प्रश्न पत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा। प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य की तैयारी के लिए संबंधित साहित्य का अध्ययन करके संदर्भ ग्रंथ के साथ नोट्स बनाना होगा। जिसकी एक प्रति अपने कक्षाध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य होगा।